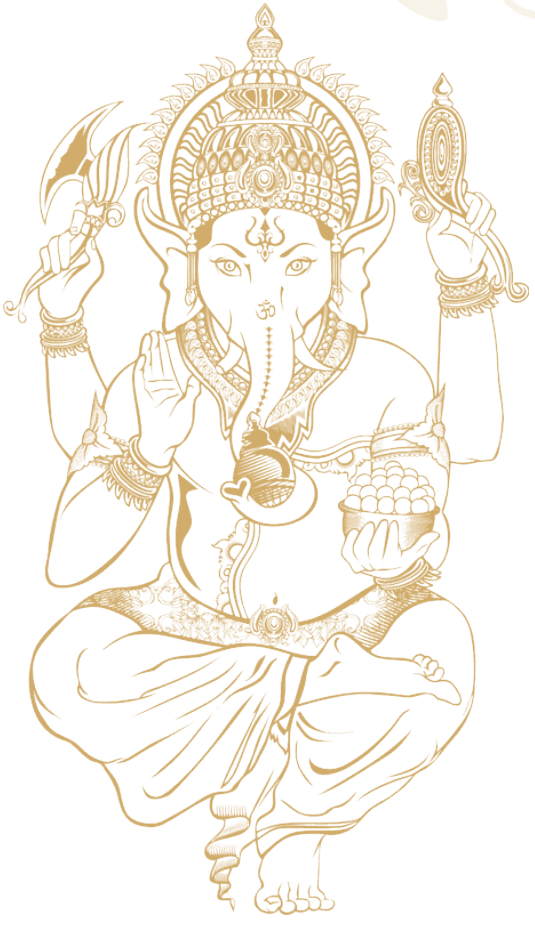

Himanshu Sharma

Vibhooti Sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121952403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/04/1994	जन्म तिथि	12/09/1998
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 16:50:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 26:54:43	जन्म समय(घटी)	31:11:32 घटी
India	देश	India
Kota Barrage	स्थान	Kota
25:06:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
75:51:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:36	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:04:06	सूर्योदय	06:10:53
18:49:19	सूर्यास्त	18:33:42
23:46:52	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 2वर्ष 5मा 18दि		06:25:26	कन्या	लग्न	कुंभ	29:03:40	चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि	
गुरु		02:27:41	मेष	सूर्य	सिंह	25:44:02	राहु	
03/10/2014		01:58:09	मिथु	चंद्र	वृष	18:50:10	26/01/2009	
03/10/2030		07:33:23	मीन	मंगल	कर्क	20:39:21	26/01/2027	
गुरु	21/11/2016	18:03:41	मीन	बुध	सिंह	14:01:36	राहु	09/10/2011
शनि	04/06/2019	17:44:16	तुला व	गुरु व	कुंभ	29:41:41	गुरु	04/03/2014
बुध	09/09/2021	24:15:04	मेष	शुक्र	सिंह	13:15:55	शनि	08/01/2017
केतु	16/08/2022	15:07:22	कुंभ	शनि व	मेष	09:08:01	बुध	28/07/2019
शुक्र	16/04/2025	00:12:59	वृश्चि	राहु व	सिंह	07:31:05	केतु	15/08/2020
सूर्य	02/02/2026	00:12:59	वृष	केतु व	कुंभ	07:31:05	शुक्र	15/08/2023
चन्द्र	04/06/2027	02:28:32	मक	हर्ष व	मक	15:29:45	सूर्य	09/07/2024
मंगल	10/05/2028	29:32:49	धनु	नेप व	मक	05:46:21	चन्द्र	08/01/2026
राहु	03/10/2030	03:43:39	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57	मंगल	26/01/2027

लग्न-चलित

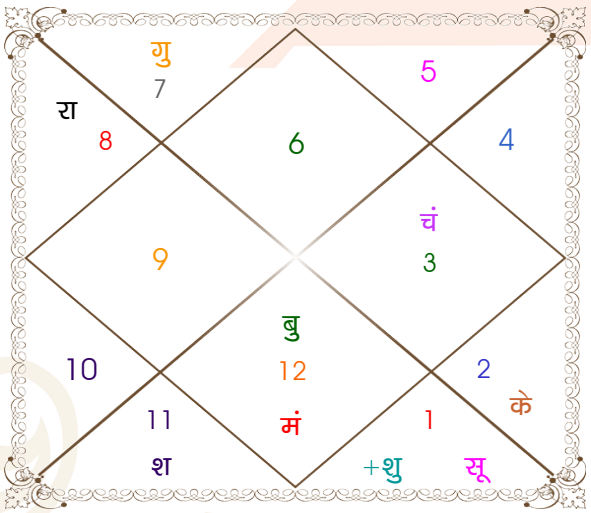

लग्न-चलित

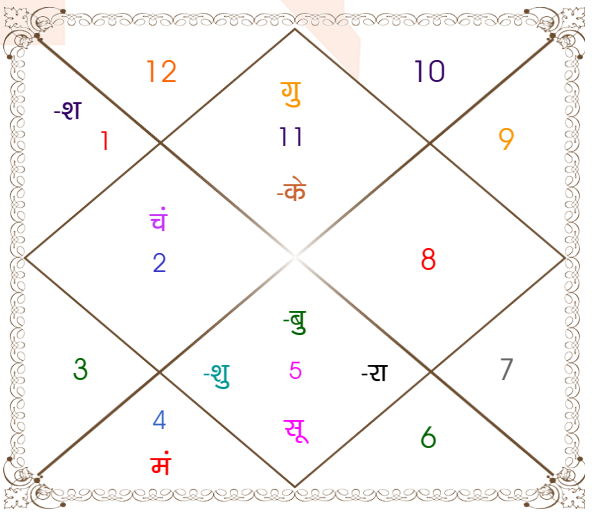

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सर्प	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

भ्पउंदीन ॅीतउं का वर्ग मार्जार है तथा टपड़ीववजप ॅीतउं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार भ्पउंदीन ॅीतउं और टपड़ीववजप ॅीतउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

भ्पउंदीन ॅीतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

टपड़ीववजप ॅीतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु टपड़ीववजप ॅीतउं कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि टपड़ीववजपॅंतउं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

भ्पउंदीनॅंतउं तथा टपड़ीववजपॅंतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।